

1

THE NAIVE FRIEND

LEARNING OUTCOME

- Identifies details, characters, main idea and sequence of ideas and events while reading.
- Know the correct use of simple past tense.
- Answers textual questions, writes short paragraphs based on situations.

सारांश

BEFORE YOU READ :

क्या कभी आपको किसी पशु या पक्षी को देखकर ऐसा लगा है कि उन्हें आपकी मदद की जरूरत है? क्या आपने उसकी मदद की ?

“NAIVE FRIEND” मुंशी प्रेमचंद की कहानी “नादान दोस्त” का अंग्रेजी अनुवाद है। यह केशव और श्यामा नाम के दो भाई –बहन की कहानी है, जो अपने छज्जे पर तीन अंडे देखकर काफी उत्साहित होते हैं। वह आगे क्या करते हैं आगे कहानी में जानें।

A bird had laid eggs.....as they come out of the eggs?

हिन्दी अनुवाद— केशव के घर में छज्जे के ऊपर एक चिड़िया ने अण्डे दिए थे। केशव और उसकी बहन श्यामा दोनों बड़े ध्यान से चिड़ियों को वहाँ आते-जाते देखा करते। सुबह सवेरे दोनों आँखें मलते कार्निंस के सामने पहुँच जाते और चिड़ा या चिड़िया दोनों को वहाँ बैठा पाते। उनको देखने में दोनों बच्चों को न मालूम क्या मजा मिलता, दूध और जलेबी की भी सुध न रहती थी। दोनों के दिल में अनेकों सवाल उठते। अण्डे कितने बड़े होंगे? वे किस रंग के होंगे? वे कितने होंगे? वे क्या खाते होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल आयेंगे? बच्चों के पर कैसे निकलेंगे? घोंसला कैसा है? लेकिन उनके इन सवालों का जवाब देने वाला



कोई नहीं था। अम्मा को घर के काम-धंधों से फुर्सत नहीं थी और बाबूजी को अपने किताबें पढ़ने से। दोनों बच्चे आपस में ही सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे लिया करते थे।

श्यामा कहती –क्या भईया, बच्चे अण्डों से निकलकर ही उड़ जायेंगे?

"No silly" Keshav would -----The sun can't get through now!"

हिन्दी अनुवाद— केशव विद्वान जैसे गर्व से कहता—नहीं री पगली, पहले पर निकलेंगे। बगैर परों के बेचारे कैसे उड़ेंगे?

श्यामा—बच्चों को क्या खिलायेगी बेचारी चिड़िया?

केशव का जवाब देने के लिए भी यह सवाल पेचीदा था।

इस तरह दो दिन गुजर गए और बच्चों की जिज्ञासा बढ़ती गई। वे अण्डों को देखने के लिए अधीर हो रहे थे। उन्हें अनुमान था कि अब बच्चे जरूर निकल आये होंगे। चूजे क्या खाएंगे यह सवाल उनके दिमाग में गहराने लगा।

चिड़िया बेचारी इतना दाना कहाँ पायेगी कि अपने बच्चों का पेट भरे। चूजे/बच्चे भूख से जरूर मर जायेंगे।

इस ख्याल से दोनों सहोदर भाई—बहन चिन्तित हो उठे। उन्होंने छज्जे पर थोड़े अनाज को फैलाने का फैसला किया। श्यामा खुश होकर बोली—तब तो चिड़ियों को चारे के लिए कहीं उड़कर नहीं जाना पड़ेगा न?

केशव बोला नहीं, तब क्यों जायेंगी? श्यामा के दिमाग में नई चिन्ता आई “लेकिन, क्या बच्चों को वहाँ गरमी नहीं लगेगी?”

श्यामा— क्यों भईया, बच्चों को धूप न लगती होगी?

केशव का ध्यान तब तक तकलीफ की तरफ नहीं गया था, वह बोला—हाँ जरूर वे प्यास से वहा मर रहे होंगे। उनके ऊपर छाया भी तो कोई नहीं है।

आखिर फैसला हुआ कि घोंसले के ऊपर कपड़े की छत बना दी जायेगी। पानी की प्याली और थोड़े से चावल के दाने रख देने का प्रस्ताव भी स्वीकृत हो गया।

वे बड़े चाव से काम करने शुरू किये। श्यामा चुपचाप मटके से चावल निकाल लायी। केशव ने पत्थर की प्याली का तेल चुपके से खाली कर दिया, रगड़ कर उसे साफ कर उसमें पानी भरा।

आश्रय के लिए कपड़ा कहाँ से लाएँ और बिना सहारे के छत ऊपर कैसे टिकेगा और छड़ियाँ खड़ी कैसे होंगी? केशव कुछ देर तक इसी उधेड़बुन में रहा, जब तक यह मुश्किल हल न हो गई। केशव श्यामा से बोला—जाकर कूड़ा फेंकने वाली टोकरी उठा लाओ। ध्यान रहे कि माँ तुम्हें देख न पाये।

श्यामा बोली इसमें तो बीच में छेद हो चुकी है। क्या यह धूप से बचाएगी?



केशव ने हल्के झुंझलाकर कहा— तू टोकरी तो ला, मैं उस सुराख की कोई तरकीब निकालूँगा। श्यामा दौड़कर गई और टोकरी उठा लायी। केशव ने उसके सुराख में थोड़ा-सा कागज ढूँस दिया और टोकरी को नजदीक के पेड़ की एक टहनी से टिका दिया।

वह बोला—देखो, कैसे टोकरी की छाया घोंसले पर पड़ती है। सूरज की धूप इससे नहीं गुजर सकती।

COMPREHENSION CHECK - I :

1. Where did the bird lay their eggs?

Ans. The bird laid their eggs just above the cornice in Keshav's house.

2. What made Keshav and his sister forget about the joys of milk and Jalebi ?

Ans. The pleasure of seeing the two birds, made keshav and his sister forget about the joys of milk and Jalebi.

3. Which thought left the siblings very anxious ?

Ans. The question of what the chicks would eat and where would the poor bird find enough grain to feed her brood and if they had nothing to eat the chicks were sure to starve to death, left the siblings very anxious.

Shyama thought admiringly.....grip on the stool slackened.

हिन्दी अनुवाद— श्यामा ने प्रशंसापूर्वक सोचा कि उसके भइया कितने चालाक हैं। गर्मी का महीना था। बाबूजी अपने काम के लिए गये हुए थे। दोनों बच्चों को कमरे में सुलाने कि लिये बुलाया गया था। लेकिन उतावलापन ने उन्हें बिना नींद के कर दिया था। अम्माजी को धोखा देने के लिए दोनों उनके आँखें बन्द किए जाने का इन्तजार कर रहे थे। ज्योंही वे निश्चित हो गए कि अम्माजी सो गयीं, दोनों चुपके से उठे, और दरवाजे की सिटकनी खोलें और बाहर निकल आये। जल्द ही अण्डों की हिफाजत करने की तैयारियाँ करने लगे। केशव कमरे में से एक स्टूल उठा लाया, लेकिन वह इतना ऊँचा नहीं था जिससे वह छज्जे पर पहुँच सके। तब वह नहाने की चौकी स्टूल के ऊपर रखी और डरते-डरते ऊपर चढ़ गया।

श्यामा दोनों हाथों से स्टूल को पकड़ी स्टूल की टांगे उसे डगमगाती, और जिस तरफ ज्यादा दबाव पड़ता, जरा-सा हिल जाती थी। उस वक्त कितना डर महसूस होता था, केशव ही जानता था। वह अपने को स्थिर रखने के लिए छज्जे को पकड़ता और श्यामा को दबी आवाज से डाँटता—अच्छी तरह पकड़ो, वरना मैं नीचे आऊँगा और तुम्हें बहुत मारूँगा। मगर बेचारी श्यामा का ध्यान तो ऊपर छज्जे पर था। बार-बार उसका ध्यान उधर चला जाता, और उसकी पकड़ ढीली पड़ जाती।



The moment Keshav's hands.....fallen down and broken your head."

हिन्दी अनुवाद— ज्यों ही केशव के हाथ कॉर्निस पर पहुँचे, चिड़ियाँ उड़ गयीं। केशव ने छज्जे पर थोड़े-से तिनके फैले हुए देखे और उस पर तीन अण्डे पड़े थे। जैसे घोंसले उसने पेड़ों पर देखे थे, वैसा कोई घोंसला वहाँ पर नहीं था। श्यामा ने पूछा—क्या कोई चूजे देख पा रहे हो, भईया ?

केशव—यहाँ तीन अण्डे हैं, अभी तक बच्चे नहीं निकले हैं।

श्यामा—मुझे दिखा दो भईया, वे कितने बड़े हैं ?

केशव— मैं दिखा दूँगा, लेकिन कुछ चिथड़े ले आओ, अण्डों को नीचे रखने के लिए। बेचारे अण्डे तिनकों और पुआलों पर पड़े हैं।

श्यामा दौड़ी और एक पुरानी साड़ी का टुकड़ा लेकर वापिस आयी। केशव उसे लेने के लिए झुका। उसे गद्देदार बनाने के लिए अनेकों बार मोड़ा और उसे अण्डों के नीचे रख दिया।

श्यामा गिड़गिड़ाई—मुझे उनको देखना है, भईया।

केशव ने जवाब दिया, हाँ मैं तुमको उन्हें दिखा दूँगा, लेकिन पहले वह टोकरी ले आओ ताकि मैं ऊपर छत बना सकूँ।

श्यामा ने टोकरी नीचे से थमा दी और बोली—अब तुम नीचे आओ, अब मेरी बारी।

केशव ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा—जाओ, पानी और अनाज ले आओ। मुझे उतरने दो फिर तुम देख सकोगे।

श्यामा प्याली में पानी और चावल भी ले आयी। केशव ने टोकरी के नीचे दोनों चीजें रख दी और आहिस्ता से उतर आया। श्यामा ने पुनः निवेदन किया, भैया मुझे भी चढ़ना में मदद करो, ताकि मैं भी देख सकूँ।

केशव बोला— तुम गिर जाओगी।

श्यामा— नहीं गिरूँगी भईया, तुम स्टूल को पकड़े रहना।

केशव— नहीं, नहीं, नहीं, तुम अगर गिर पड़ी तो अम्मा जी मुझे चटनी ही बना डालेंगी। वह मुझे मदद करने का कसूरवार कहेगी। तुम्हारे उनको देखने से क्या होना वाला है आखिरकार। अब अण्डे बड़े आराम से हैं। जब बच्चे निकलेंगे, तब हम दोनों उन चूजों का ख्याल रखेंगे।

दोनों चिड़ियाँ बार-बार छज्जे के पास आती थीं और फिर तुरंत उड़ जाती थीं। केशव ने सोचा कि वे डरी हुई हैं और वह स्टूल हटा लेता है। श्यामा आँसू भरे आँखों से कहा— तुमने मुझे अण्डों को नहीं दिखाया, मैं अम्मा जी से कह दूँगी।

“अगर तुमने माँ से कहा तो मैं तुम्हें घूँसा लगा दूँगा।”

“तो तुमने मुझे दिखाया क्यों नहीं।”



“और क्या होता अगर तुम गिर जाती और अपना सिर फोड़ लेती?”

“तो इसमें कौन सी बड़ी बात है। तुम इंतजार करो।” तभी दरवाजा खुला और माँ बाहर निकली, अपनी आँखों को चमकते या जलते हुए सूरज से बचाते हुए। उन्होंने पूछा, “तुम दोनों बाहर वहाँ धूप में क्या कर रहे हो? सितकनी को किसने खोला? कितनी बार मुझे तुम्हें बताना पड़ेगा कि दोपहर में बाहर नहीं आना है।”

केशव ने सितकनी खोली थी, परंतु श्यामा ने वह मां को नहीं बताया। वह डर गई थी कि उसे पिटाई मिल सकती है। केशव डरा हुआ था कि श्यामा भेद न खोल दे। उसने उसे अण्डे नहीं दिखाए थे, इसलिए उसे उस पर भरोसा नहीं था। श्यामा प्यार के कारण चुप थी या फिर क्योंकि वह भी अपराध में हिस्सेदार थी, यह अनुमान लगाने का विषय था। शायद ये दोनों बातें थीं।

1. How did Keshav manage to reach the cornice?

Ans. Keshav brought a stool from the room but, it was not high enough to reach the cornice, and then he brought a small bathing stool to place above the first and gingerly climbed on top to reach the cornice.

2. What did Shyama beg to Keshav ?

Ans. Shyama begged to Keshav to help her to climb up so that she can also see the eggs.

3. Why did Shyama keep quiet in front of mother?

Ans. Shyama kept quiet in front of her mother because she was scared that Kesav might be bitten by maa.

मां उनको डांटी और कमरे के अंदर ले गई। उसने दरवाजे में सितकिनी लगाई और आराम से हवा करने लगी। अभी दोपहर के केवल 2 ही बजे थे और बाहर ग्रीष्म ऋतु की गरम हवा बह रही थी। जल्द ही दोनों बच्चों गहरी नींद में सो गए।

श्यामा 4 बजते ही जाग गई। दरवाजे की सितकिनी खुली हुई थी। वह छज्जों की ओर दौड़ी और उपर देखी। वहाँ टोकरी का कोई निशान नहीं था। फिर वह नीचे देखी, वापस कमरे की तरफ दौड़ी और चिल्लाई, “भईया, अण्डे नीचे गिर गए हैं, चूजे उड़ चुके हैं।”

केशव छज्जे की ओर दौड़ा और तीनों अण्डों को देखा, फर्श पर टूटे हुए। चिपचिपा सफेद और पीला तरल उनसे रिस रहा था। पानी वाला कटोरा भी उल्टा पड़ा हुआ था।

केशव उदास हो गया और निराशाजनक आँखों से जमीन को देखने लगा।

“चूजे कहाँ उड़ गए?” श्यामा पूछी।

“अण्डे टूट चुके हैं।” केशव न उदासीपूर्वक कहा।

“और चूजे कहाँ चले गए?”



“तुम्हें कहाँ लगता है।” थोड़ी झुंझलाहट के साथ उसने जवाब दिया। “क्या सफेद तरल बाहर आते हुए तुम नहीं देख रही हो? यह कुछ दिनों में चूजे बन जाते।”

माँ पीछे से चिल्लाई, “तुम दोनों धूप में क्या कर रहे हो?”

“माँ! माँ! अण्डे टूट गये हैं,” श्यामा बोली।

“तुम लोगों ने उनके साथ जरूर कुछ गड़बड़ किये होंगे।” अण्डों के खोल को देखते हुए माँ गुस्से में बोली।

अब श्यामा ने अपने भाई पर दया नहीं की।” इसने जरूर अण्डों को सही से ध्यानपूर्वक वापस नहीं रखे होंगे, इसलिए अण्डे लुढ़क गये। इसे सजा मिलनी चाहिए।

“उसने अण्डों को छुआ था, माँ” श्यामा बोली।

“क्यों” माँ पूछी।

केशव चुपचाप खड़ा रहा।

“तुम वहां पहुंचे कैसे।” माँ पूछी

“इसने नहाने के स्टूल के ऊपर एक स्टूल रखा और ऊपर चढ़ा” श्यामा ने कहा।

“क्या तुम स्टूल के ऊपर एक स्टूल रखा और ऊपर चढ़ा— माँ ने कहा।

“क्या तुम स्टूल को पकड़े हुए नहीं थी?—” केशव ने आरोप लगाया।

“तुमने करने को कहा था।” श्यामा बोली।

“तुम बड़े/सयाने लड़के हो, केशव— माँ बोली “क्या तुम नहीं जानते कि यदि चिड़ियां के अण्डों को छुआ जाता है तो वे दूषित हो जाते हैं, और फिर चिड़िया उन अण्डों को कभी नहीं सेती है।”

“इसलिए चिड़ियां ने उन अण्डों को खुद ही गिरा दिया।” श्यामा, माँ से डरते हुए पूछी।

“चिड़िया और करती भी क्या!” माँ बोली “केशव तुमने एक वीभत्स काम किया है। हे भगवान! तुमने तीन जिन्दगियां ले ली।”

केशव दुखी था। “मैंने केवल अण्डों को गद्दा दिया।” उसने कहा।

माँ मुस्कुराई और बोली, “अगली बार ध्यान देना।”

Comprehension Check - II :

1. Who made Keshav pale and gloomy?

Ans. The sight of broken eggs made keshav pale and gloomy.

2. Why did Shyama feel that Keshav should be punished?

Ans. Shyama felt that Keshav should be punished because she thought that Keshav had not kept the eggs carefully and so they had rolled off on the ground.

3. What did Maa mentioned about bird's eggs?

Ans. Maa mentioned about bird's eggs that on touching they become tainted, and then the birds don't hatch them anymore.





Answer the following questions:

1. Which questions made Keshav and Shyama curious about the eggs?

Ans. The questions which made Keshav and Shyama curious about the eggs are What colour were they ? How many? What did they eat? How would the chicks come out of them? What is the nest?

2. What three things did the children do to protect the eggs?

Ans. The three things the children did to protect the eggs were- (i)they erect a makeshift roof above the nest (ii) Kept a bowl of water with some grain of rice (iii) made a cushion with a piece of cloth and placed it under the eggs to make the eggs comfortable.

3. Why did Keshav think of making a cushion for the eggs?

Ans. Keshav thought of making a cushion for the eggs because he saw that the poor eggs were lying on twigs and straw .



4. What excuse did Keshav give for not showing the eggs to Shyama ?

Ans. The excuse Keshav gave for not showing the eggs to Shyama that if she will fall down Maa will make chutney out of him and he will accuse him of helping her up.

5. Compare the feelings of Keshav at the beginning and end of the story.

Ans. Keshav was very anxious and curious about the eggs in the beginning and made the eggs lay in a comfortable position and was very excited about the eggs that when they would hatch, but at the end of the story he looked very pale and disappointed when he saw that the eggs have fallen down on the floor.

Q. State whether the following statements are 'true' or 'false':

(a) A bird had laid eggs just above the ventilator in Keshav's house.

(b) Shyama and Keshav were friends.

(c) There were three eggs in the nest.

(d) It was the month of winter.

(e) Keshav felt pained when the eggs broke.

Ans. (a) False, (b) False, (c) True, (d) False, (e) True

Q. Answer the following questions with reference to context:

"What are you two doing out there in the sun ?" she asked.

(i) Who is the speaker ?

(ii) Who are the 'two' mentioned here?

(iii) The speaker was happy or annoyed with the two at that moment ?

Ans.(i) The speaker here is Keshav's and Shyama's mother.

(ii) The two mentioned here are Keshav and Shyama.

(iii) The speaker was annoyed with the two at that moment.

"You must have fiddled with them." said Ma angrily.

(i) Who is 'you' here?

(ii) What is Ma talking about in this line ?



(iii) Was Ma right in her guess?

Ans. (i) You is “Keshav” here.

(ii) Ma is talking about the eggs in this line.

(iii) Yes, Ma was right in her guess.

Fill in the blanks by choosing words from the box to complete the summary:

[broken, eggs, safer, birds, cornice, children, breaking, knowledge]

This story is about two children who discover eggs laid by a bird on the cornice of their house. The children feel that the eggs are unsafe and they should do something to protect them. Later, they found the eggs to be broken. The children, in their innocence and lack of knowledge feel that they are helping the birds by transferring the eggs to a safer place. But, their good intentions only leads to the breaking of the eggs.

Q. Similarly, fill in the blanks with the correct word (given within brackets) :

1. The class saw a on the roof. (hole, whole)
2. It is not.....to.....on the wall. (write, right)
3. A..... of white cloth stands for..... . (peace, piece)
4. Every father wants his to shine like a (son, sun)
5.the vastness of the blue..... (sea, see)

Ans. 1. whole, hole 2. right, write 3. piece, peace 4. son, sun 5. See, sea.

Q. Find the collective nouns used with the following nouns :

[school, pack, pride, litter, brood.]

1. A..... of puppies.
2. A.....of lions.
3. A.....of fish.
4. A..... of chicks.
5. A..... of wolves.

Ans. 1. litter, 2. pride, 3. school, 4. brood, 5. pack.



Q. Use the following words in sentences of your own :

(a) scatter (b) feed (c) comfort (d) accuse (e) approach

Ans. (a)scatter : The Police scattered the crowds.

(b) feed: Spring fed ponds with water.

(c) comfort: I found a cozy chair where I could read in comfort.

(d) accuse : He has been accused of murder in the death of his wife.

(e) approach: The cat approached the body cautiously.

Q. Fill in the blank with simple past tense form of the verb given in bracket :

(a) The Taj Mahal was by Shah Jahan. (build)

(b) Yesterday, I rice in the afternoon. (eat)

(c) The children at the acts of the joker. (laugh)

(d) The teacher.....a poem on the blackboard. (write)

(e) The batsman.....the ball for a six. (hit)

Ans. (a) built (b) ate (c) laughed (d) wrote (e) hit.

Q. Now change the given sentences from present tense to past tense as shown:

Example: He writes a letter. (Present)

He wrote a letter. (Past)

(a) They visit Dasham Fall in winter.

(b) The lady buys a dozen eggs.

(c) Ali goes with Rahim to the cinema.

(d) The dog runs after the cat.

(e) We drive the bus into the garage.

Ans. (a) They had visited Dasham Fall in winter.

(b) The lady had brought a dozen eggs.

(c) Ali went with Rahim to the cinema.

(d) The dog ran after the cat.

(e) We drove the bus into the garage.



Words Meaning

Naive (नेव) - नादान, अनुभवहीन ।

Amused (एम्यूज्ड) - (खुश) ।

Cornice (कॉर्निश) - कंगनी, छज्जा ।

Scholar (स्कॉलर) - विद्वान ।

Hatched (हैच्ड) - अंडे से बच्चे निकले।

Brood (ब्रूड) - छोटे बच्चे ।

Siblings (सिबलिंग्स) - सहोदर भाई और बहन ।

Erected (इरेक्टेड) - खड़ा किया, बनाया ।

Makeshift roof (मेकशिफ्ट रूफ) - कामचलाऊ छत, अस्थायी छत ।

Gingerly (जिंजरली) - सावधानी से लड़खड़ाते हुए।

Wobbly (वॉब्लि) - जर्जर, अस्थिर ।

Veered (वीयर्ड) - दिशा बदलना, झटके से मुड़ना, घूम जाना ।

Fiddled (फिडल्ड) - निरर्थक, व्यर्थ समय गँवाना ।

Conscience (कॉनशंस) - अन्तरात्मा, विवेक ।

Squeal (स्किवल) - चीख ।

Conjecture (कनजक्शर) - अनुमान ।

Tongue-tied (टंगटाइड) - किंकर्तव्यविमूढ़, बिल्कुल चुप।

Intently (इन्टेनटलि) - ध्यान से, उत्साहपूर्वक/उत्सुकतापूर्वक

Barely (वेअरली) - कठिनता से, मात्र ।



Awake (अवेक) - जागना

Comfort (कम्फर्ट) - आराम ।

Tricky (ट्रिकी) - पेचीदा ।

Flown away (फ्लोन अवे) - उड़ गये।

Unlatched (अनलैच्ड) - खुले हुए (यहाँ किवाड़)।

Oozing (ऊजिंग) - छूना, रिसना ।

Oozing out (ऊजिंग आऊट) - छूकर बाहर को निकलना ।

Bowl (बाऊल) - कटोरा, प्याली।

Went Pale (वेन्ट पेल) - रंग पीला/फीका पड़ जाना, रंग उड़ जाना ।

Tainted (टेन्टेड) - गंदे /उदूषित

Terrible (टेरिबल) - भयानक।

